कार्यशाला में ऑनलाइन शिक्षा की महत्ता पर डाला प्रकाश

खास बात

ऑनलाइन एजुकेशनल रिसोर्सेज विषय पर हुई कार्यशाला

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को ऑनलाइन एजुकेशनल रिसोर्सेज विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक हिमांशु शर्मा तथा सह-संयोजक डॉ0 अनुराग कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षार्थियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा की महत्ता और आगामी आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर महाविद्यालय के उप-प्राचार्य प्रो0 अनिल रायपुरिया ने बताया कि समकालीन डिजिटल प्रारूप शिक्षकों को किसी व्यक्ति की सीखने की गति और क्षमता के आधार पर अध्ययन सामग्री को अनुकूलित करने की अनुमति देता है। इस बात को आगे बढ़ाते हुए मुख्य अनुशासक डॉ0 नवनीत कुमार ने कहा कि निरंतर शिक्षा प्रणाली के डिजिटलीकरण के साथ शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे छात्रों में सीखने की क्षमता का उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। कार्यक्रम के आयोजक हिमांशु शर्मा ने बताया कि वर्तमान समय संचार क्रांति का है तथा डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों के उपयोग से शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है। इसके बाद डॉ0 अनुराग कुमार पाण्डेय ने डिजिटल विश्व में शिक्षा की उपयोगिता पर आपने विचारों को रखा। आपने बताया कि डिजिटल शिक्षा प्रणाली छात्रों को यह विश्लेषण करने में सक्षम बनाती है कि ऑनलाइन संसाधनों को खोजने और उनका उपयोग करने में सक्षम होने के लिए उन्हें क्या जानने की आवश्यकता है। यह उनकी दक्षता, सीखने की क्षमता और उत्पादकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षक व शिक्षार्थी मौजूद रहे।

ऑनलाइन शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ

संवाद न्यूज एजेंसी

अमरोहा। जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ऑनलाइन एजुकेशनल रिसोर्सेज विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में ऑनलाइन शिक्षा की महत्ता और आगामी आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रो. अनिल रायपुरिया ने कहा कि समकालीन डिजिटल प्रारूप शिक्षकों को किसी व्यक्ति की सीखने की गति और क्षमता के आधार पर अध्ययन सामग्री को अनुकूलित करने की अनुमति देता है। मुख्य अनुशासक डॉ. नवनीत कुमार ने कहा कि निरंतर शिक्षा प्रणाली के डिजिटलीकरण के साथ शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे छात्रों में सीखने की क्षमता का उत्तरोत्तर विकास हो रहा है।

हिमांशु शर्मा ने बताया कि वर्तमान समय संचार क्रांति का है तथा डिजिटल संसाधनों के उपयोग से शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है। डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय ने डिजिटल विश्व में शिक्षा की उपयोगिता पर आपने विचारों को रखा। कहा कि डिजिटल शिक्षा प्रणाली छात्रों को यह विश्लेषण करने में सक्षम बनाती है, कि ऑनलाइन संसाधनों को खोजने और उनका उपयोग करने में सक्षम होने के लिए उन्हें क्या जानने की आवश्यकता है।

इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षक व शिक्षार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयोजक हिमांशु शर्मा तथा सह-संयोजक डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।